

लिखित प्राधिकारी अन्तर्गत संघर्ष औद्योगिक शान्ति (मजदूरी का यथासमय सदाय) अधिनियम, 1978 एवं

संघ श्रमायुक्त संघर्ष गाजियाबाद क्षेत्र।

श्री अनुज कुमार एच अन्य, सी 108, कृष्णापुरी, मोदीनगर, गाजियाबाद।

वादी पक्ष

बनाम

आकृषपायर/सेवायोजक

1. सेवायोजक/प्रबन्धक, मैसर्स शिविका इस्टेट मैनेजमेंट प्रा०लि०, साइट आफिस ऑफिसर सिटी प्रथम राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद (मुख्य सेवायोजक)।

2. सेवायोजक/आकृषपायर, मै० मैक्सस फंसिलिटी प्रा०लि०, ई 37, मैट्रो प्लाजा, प्रथम तल, वसुन्धरा, गाजियाबाद।

प्रतिवादी/सेवायोजक पक्ष

निर्णय

प्रस्तुत दाव श्री अनुज कुमार एच 51 अन्य, सी 108, कृष्णापुरी, मोदीनगर, गाजियाबाद वादीगण द्वारा प्रतिवादी आकृषपायर/सेवायोजक/सेवायोजक/प्रबन्धक, मैसर्स शिविका इस्टेट मैनेजमेंट प्रा०लि०, साइट आफिस ऑफिसर सिटी प्रथम राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद (मुख्य सेवायोजक) एवं मैसर्स मैक्सस फंसिलिटी प्रा०लि०, ई 37, मैट्रो प्लाजा प्रथम तल वसुन्धरा, गाजियाबाद के विरुद्ध संघर्ष औद्योगिक शान्ति (मजदूरी का यथा समय सदाय) अधिनियम, 1978 के अन्तर्गत इस आशय का दाखिल किया गया है कि दाव पत्र के साथ संलग्न सूची में अंकित 52 कर्मचारी प्रतिवादी प्रतिष्ठान में कई माह से नियोजित रहे हैं, परन्तु प्रतिवादीगण द्वारा उन्हें इस माह जून 2022 से अगस्त 2022 तक का कुल बतन रु० 1353703/- का भुगतान नहीं किया गया है जो उन्हें वसूली प्रमाण पत्र जारी कर भुगतान कराया जाय।

उक्त प्राथमिक पत्र का सज्जन लेते हुए पक्षों को विधिवत नोटिस भेजकर आहूत किया गया। नियत तिथि पर समय पक्ष उपस्थित हुए। प्रतिवादी की ओर से उपस्थित उनके अधिकृत प्रतिनिधि को दाव पत्र की प्रति हस्तगत करायी गयी एवं पत्रावली बास्ते प्रतिवादी के लिखित कथन हेतु नियत की गयी। दिनांक 09.02.2023 को प्रतिवादी की ओर से लिखित कथन दाखिल किया गया तदोपरान्त वादी द्वारा प्रतिउत्तर दाखिल किया गया।

प्रतिवादी सं० 02 द्वारा अपने लिखित कथन में कहा गया कि वे प्रतिवादी सं० 01 के यहाँ कार्यरत थे और दाव पत्र में अंकित सभी श्रमिक शिविका स्टेट मैनेजमेंट के द्वारा नियोजित किये गये थे और उनके देशपावनों का भुगतान करने का दायित्व मैसर्स शिविका स्टेट मैनेजमेंट के द्वारा भुगतान न किये जाने के कारण अद्योहस्ताक्षरी को सम्बन्धित श्रमिकों का भुगतान किया जाना सम्भव नहीं है। उनके द्वारा केवल सुरक्षा गार्डों से सोसायटी की सुरक्षा के लिए विभिन्न टावर्स पर ड्यूटी लगाई जाती थी और भुगतान करने का दायित्व मैसर्स शिविका स्टेट मैनेजमेंट, ऑफिसर सिटी राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद का था। उनका अनुबन्ध अप्रैल 2022 में 11 माह के लिए हुआ था। अप्रैल और मई का भुगतान कर दिया गया जिससे कि मैक्सस फंसिलिटी प्रा०लि० लि० ने भी आगे भुगतान कर दिया। जून एवं जुलाई में शिविका स्टेट मैनेजमेंट ऑफिसर सिटी 1, राजनगर एक्सटेंशन गाजियाबाद द्वारा बिल का भुगतान न किये जाने के कारण विवाद उत्पन्न हुआ। श्रमिकों का भुगतान मै० शिविका स्टेट मैनेजमेंट द्वारा किया जाना न्यायोचित है। अपने लिखित कथन के उनके द्वारा एग्रीमेंट की प्रति बैंक स्टेटमेंट की प्रति, जून एवं जुलाई के बिल की प्रति दाखिल की गयी।

प्रतिवादी सं० ०१ के द्वारा अपने लिखित कथन में कहा गया कि उसका दावा में उल्लिखित नतीजन का पैकासा अधिनियम प्राविधिक के संवधान से जारी की उनको नियोजन में नहीं रहे। प्राविधिक एवं नौकर का सम्बन्ध नियमित होने वाले प्रकार का आर्थिक साधन (मजदूरी का तथा समय संदाय) अधिनियम 1978 के अन्तर्गत निर्मित नहीं किया जो प्राविधिक प्रतिवादी सं० ०१ विभिन्न सोसाइटी/विशेष के सम्बन्ध का कार्य करते हैं। प्रतिवादी सं० आर्थिक प्रतिष्ठान को है जैसा कि प्राविधिक साधन (मजदूरी का तथा समय संदाय) अधिनियम 1978 की धारा 2 में उल्लिखित है। प्रतिवादी सं० ०१ किसी प्रकार का साधारण का कार्य, प्रोसेसिंग और मैनुफैक्चरिंग आर्टिकल्स नहीं करते हैं। वे विशिष्ट विशेष सोसाइटी में सम्बन्ध का कार्य करते हैं। प्रतिवादी सं० ०१ के आर्थिक प्रतिष्ठान न होने के कारण उनका प्राविधिक साधन (मजदूरी का तथा समय संदाय) अधिनियम 1978 के प्राधान्य लागू होते हैं। उनके द्वारा उक्त दावे को विरस्त करने की प्रार्थना की गयी।

मेरे द्वारा वादी के दावे, पक्षों के कथन, उपकथन, प्रतिवादी की आपत्ति, प्रतिउत्तर तथा पक्षों की वैयक्तिक वक्तव्य सुनी गयी एवं पक्षवाली पर उपलब्ध अभिलेखों का परीक्षण किया गया। प्रस्तुत दावा वादीगण द्वारा प्रतिवादी सं० ०२ के साथ-साथ प्रतिवादी सं० ०१ के यहाँ नियोजित होने के कारण अपने माह जून 2022 से माह अगस्त 2022 तक की अंशों का वेतन ₹ 1353703/- दिलाये जाने की मांग की है। प्रतिवादी सं० ०१ द्वारा अपने लिखित कथन में अपने प्रतिष्ठान को आर्थिक प्रतिष्ठान न होने का कथन किया गया है जबकि मैं प्रतिवादी के इस कथन से सहमत नहीं हूँ क्योंकि आर्थिक प्रतिष्ठान की परिभाषा में अन्य प्रतिष्ठान का वर्णन है, वही वेतन भुगतान अधिनियम 1936 की धारा 2 (iv) (a) में आर्थिक या अन्य प्रतिष्ठान की परिभाषा निम्नवत दी गयी है :- Industrial and other establishment means any establishment in which any work relating to the construction, development or maintenance of buildings, roads, bridges or canals, or relating to operations connected with navigation, irrigation or the supply of water or relating to the generation, transmission and distribution of electricity or any other form of power is being carried on; इस प्रकार प्रतिवादी के प्रतिष्ठान में निर्माण गतिविधि होने के कारण वह आर्थिक प्रतिष्ठान की परिभाषा आवर्त होता है। फलस्वरूप प्रतिवादी सं० ०१ की यह आपत्ति कि उनका प्रतिष्ठान एक आर्थिक प्रतिष्ठान नहीं है निर्मूल होने के कारण स्वीकार योग्य नहीं है।

प्रतिवादी सं० ०२ द्वारा लिखित कथन के साथ दाखिल समझौते की प्रति दाखिल की गयी जिसके बिन्दु सं० 17 में उल्लिखित है कि The First Party shall submit the bill to the second party by 5th of the succeeding month. The second Party shall make payment by the 10th of the same month....." इसके अतिरिक्त प्रतिवादी सं० ०२ द्वारा अपने लिखित कथन में यह भी उल्लिखित किया गया है कि प्रतिवादी सं० ०१ द्वारा उनको बिलों का भुगतान न किये जाने के कारण उनके द्वारा अपने कर्मचारियों को भुगतान किया जाना सम्भव नहीं हो सका है। चूंकि प्रतिवादी सं० ०१ में सिविका स्टेट मैनेजमेंट प्रतिवादी सं० ०२ में मेक्सस फेसिलिटी प्रा० लि० के मुख्य सेवायाजक है एवं मुख्य सेवायाजक होने के नाते उनका यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने यहाँ नियोजित कर्मचारियों को वेतन का भुगतान अपने समक्ष कराते।

वाद में उल्लिखित 52 श्रमिकों जिनका विवरण निम्नवत है :-

क्र.सं०	नाम	पदनाम	माह जून 22 का बकाया वेतन	माह जुलाई 22 का बकाया वेतन	माह अगस्त 22 का बकाया वेतन	कुल बकाया वेतन (माह अक्टूबर 21 से माह फरवरी 2022 तक)
01	अनुज कुमार	सिक्वोरिटी ऑफिसर	0	12263	3068	15329
02	अनुज शर्मा	सुपरवाइजर	16200	15677	2090	33967

[illegible]

अ	कुलदीप	शिवाजीपिठ गाँव	15800	13500	1742	28942
अ	सन्दीप	शिवाजीपिठ गाँव	11250	13500	1742	26492
अ	हृदय	शिवाजीपिठ गाँव	11700	13500	1742	26942
अ	सन्दीप	शिवाजीपिठ गाँव	4500	0	0	4500
अ	सोनील उपपाय्य	शिवाजीपिठ गाँव	0	13500	1742	15242
योग			54850	629274	7598	1353793

इसके अन्तर्गत 52 श्रमिकों की मुख्य सेवायोजक मैसर्स शिविका इस्टेट मैनेजमेंट प्रा० लि०, साइट आफिस ऑफिसर सिटी प्रथम राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद एवं इनकी माह जून, 2022 से माह अगस्त 2022 तक की बकाया धनराशि रु० 1353793/- होती है। अतः उ०प्र० औद्योगिक शान्ति (मजदूरी का यथासमय संदाय) अधिनियम, 1978 की धारा 3 में उद्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं प्राधिकारी अन्तर्गत अधिनियम सेवायोजक/प्रबन्धक/आक्यूपायर, मैसर्स शिविका इस्टेट मैनेजमेंट प्रा० लि०, साइट आफिस ऑफिसर सिटी प्रथम राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद के विरुद्ध इस आशय का वसूली प्रमाण पत्र जारी करता हूँ कि उक्त सेवायोजक/प्रबन्धक/आक्यूपायर से उक्त 52 श्रमिकों की बकाया मजदूरी की धनराशि रु० 1353793/- (रु० तेरह लाख तिरहण हजार सात सौ तीन मात्र) भू-राजस्व के रूप में वसूल कर बाद से सम्बन्धित श्रमिकों को भुगतान करने हेतु 'उप श्रमायुक्त, उ०प्र०, गाजियाबाद क्षेत्र' के नाम से बैंक ड्राफ्ट बनवाकर इस कार्यालय में जमा कराये जाने का कष्ट करे ताकि सम्बन्धित श्रमिकों को नियमानुसार भुगतान कराया जा सके।

(रवि श्रीवास्तव)

प्राधिकारी अन्तर्गत उ०प्र० औद्योगिक शान्ति (मजदूरी का यथासमय संदाय) अधिनियम, 1978 एवं उपश्रमायुक्त, उ०प्र०, गाजियाबाद क्षेत्र।

3309-12

/गा०(टी०पी०डब्ल्यू० 01/2023)

दिनांक 15/4/23

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर, गाजियाबाद को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि सेवायोजक/प्रबन्धक/आक्यूपायर, मैसर्स शिविका इस्टेट मैनेजमेंट प्रा० लि०, साइट आफिस ऑफिसर सिटी प्रथम, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद से उक्तानुसार धनराशि वसूल कराकर धनराशि का ड्राफ्ट इस कार्यालय को भिजवाने का कष्ट करे।
2. श्री अनुज कुमार एवं अन्य, सी 108, कृष्णापुरी, मोदीनगर, गाजियाबाद द्वारा सुश्री मीनाक्षी चावला माथुर, 705, 8 वा तल, आदित्य बिल्डिंग आर०डी०सी० राजनगर गाजियाबाद।
3. सेवायोजक/प्रबन्धक/आक्यूपायर, मैसर्स शिविका इस्टेट मैनेजमेंट प्रा० लि०, साइट आफिस ऑफिसर सिटी प्रथम, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद।
4. सेवायोजक/आक्यूपायर, मै० मैक्सस फेरिलिटी प्रा० लि०, ई 37, मेट्रो प्लाजा, प्रथम तल, वसुन्धरा, गाजियाबाद।

(रवि श्रीवास्तव)

प्राधिकारी अन्तर्गत उ०प्र० औद्योगिक शान्ति (मजदूरी का यथासमय संदाय) अधिनियम, 1978 एवं उपश्रमायुक्त, उ०प्र०, गाजियाबाद क्षेत्र।

प्राधिकारी उ०प्र० औद्योगिक शान्ति (मजदूरी का यथासमय संदाय) अधिनियम 1978 एवं उप श्रमायुक्त उ०प्र०, गाजियाबाद

